10

औपनिवेशिक युग के महत्त्वपूर्ण युद्ध

हमने पिछले पाठों में देखा कि किस प्रकार भारतीयों को ब्रिटिश सेना में शामिल किया जाता था तथा किस प्रकार तीन प्रेसीडेंसी की स्थापना हुई। ब्रिटिश भारत में स्वयं को एकमात्र शासक के रूप में स्थापित करना चाहते थे। ब्रिटिश लोगों के डच तथा फ्रांसीसियों के साथ व्यापार के क्षेत्र में मतभेद थे। इन राष्ट्रों के बीच में अनेक युद्ध हुए। ये सभी राष्ट्र भारत में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते थे। आइए जानते हैं कि भारत में साम्राज्य तथा प्रभुत्व स्थापित करने हेतु अंग्रेजों ने कौन-कौन से युद्ध किए।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के उपरांत आप:-

- अंग्रेजों द्वारा भारत में शासन स्थापित करने हेतु किए गए युद्धों को सूचीबद्ध कर सकेंगे।

10.1 एंग्लो-डच युद्ध

अंग्रेजों को भारत में अन्य यूरोपीय देशों की उपस्थिति पसंद नहीं थी विशेषत: डच कंपनी जिसका भारत में काफी व्यापार था। ब्रिटिश व्यापार पर अपना एकाधिकार चाहते थे। इसलिए उन्होंने यूरोप से लेकर भारत तक डच से युद्ध किया। 1652 से 1783 के बीच चार एंग्लो डच युद्ध हुए। इसका मुख्य कारण व्यापार को बढ़ाना था और ये युद्ध नौ सेना द्वारा लड़े गए थे।

प्रथम एंग्लो डच युद्ध 1652-1654 के मध्य गुडविन सैण्ड्स, इंग्लैंड पर लड़ा गया। द्वितीय युद्ध 1665-1667, तृतीय 1672 व चतुर्थ 1770-1773 के मध्य हुआ। इसके अलावा 7 वर्षीय युद्ध 1756 से 1763 में हुआ। फ्रांसीसी क्रांति से पहले यह मुख्य युद्ध था जिसमें यूरोप के सभी देश शामिल हुए। इसने फ्रांस और ब्रिटिश के बीच लम्बे समय से चल रहे संघर्ष तथा सत्ता के प्रभाव के लिए ब्रिटिश व्यापार कम्पनी के संघर्ष में परिवर्तन किया। यह युद्ध दक्षिण भारत तथा बंगाल तक पहुंचा। बंगाल में रार्बट क्लाइव ने नवाब सिराजुदोला को हराकर कलकत्ता पर दुबारा कब्जा किया। नवाब सिराजुदोला को 1757 की प्लासी की लड़ाई में फ्रांसीसियों का समर्थन प्राप्त था।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 10.1

1. 1652 से 1783 के मध्य कितने एंग्लो डच युद्ध हुए थे?

2. प्लासी का युद्ध कब हुआ था?

10.1.1 अड्यार का युद्ध - 24 अक्टूबर 1746

यह युद्ध, प्रथम कर्नाटक युद्ध का एक भाग था जो अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के मध्य लड़ा गया। अद्यार का युद्ध फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी और अरकोट के नवाब के बीच हुआ। जिसका प्रमुख उद्देश्य सेंट जार्ज के किले पर दोबारा कब्जा करना था। अरकोट के नवाब का समर्थन ब्रिटिश कंपनी ने किया था। उसके पुत्र महफूज खान ने फ्रांसीसियों से किला पुनः प्राप्त करने के लिए सेना का नेतृत्व किया। युद्ध में महफूज खान अद्यार नदी के दक्षिण तक पीछे हटा तथा बाद में उसने संथोम नाम के स्थान पर कब्जा जमाया। स्थानीय भारतीयों से युक्त फ्रांसीसी सेना ने समुद्र की ओर से अंग्रेजों पर हमला किया। उसके बाद घोर युद्ध हुआ जिसमें बंदूकों का प्रयोग हुआ। भारी तोपखाने ने नवाब की सेना को हरा कर सेंट जार्ज किला पुनः कब्जे में ले लिया। बाद में हुए युद्धों में अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों पर जीत हासिल की और उन्हें भारत से दूर कर पाए।

10.1.2 वांदीवाश का युद्ध - 22 जनवरी 1760

यह युद्ध 7 वर्षीय युद्ध का एक भाग है। इस युद्ध से फ्रांसीसी शक्ति कम हो गयी। इससे दक्षिणी भारत में फ्रांसीसी शक्ति का अंत हो गया। थामस अर्थर डी लैली के नेतृत्व में 2000 सैनिकों की फ्रांसीसी सेना ने बंडीवाश किले की घेराबंदी की थी। अंग्रेजों की ओर से कर्नल आयर कूटे किले को छुड़ाने आए। लैली ने पैदल सैनिकों तथा घुड़सवार सैनिकों को युद्ध में भेजा किन्तु वे मस्कट (लंबी राइफल जो 17वीं तथा 18वीं शताब्दी में प्रयोग की जाती थी) को भेद नहीं पाए। फ्रांसीसी सेना को पांडिचेरी वापिस लौटना पड़ा।

10.1.3 मैसूर के युद्ध

ब्रिटिश और मैसूर के राजाओं के मध्य चार युद्ध- 1767-1769, 1780-1784, 1790-1792 व 1799 में हुए। 1761 में मुस्लिम नायक हैदर अली ने स्वयं को मैसूर का राजा घोषित किया और अपने राज्य का प्रसार करने लगा। हैदरअली के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने हैदराबाद के निजाम के साथ 1766 में हाथ मिलाया। किन्तु युद्ध के समय निजाम पीछे हट गया और अंग्रेज अकेले रह गए। हैदरअली ने इस युद्ध में ब्रिटिश के साथ शांति संधि कर ली। 1780 में मैसूर के दूसरे युद्ध में हैदरअली व मराठा ने ब्रिटिश फौजों का सामना किया। दिसम्बर 1782 में हैदरअली की मौत हो गयी और अंग्रेजों ने उसके पुत्र टीपू सुल्तान के साथ 1784 में मैंगलोर की संधि की।

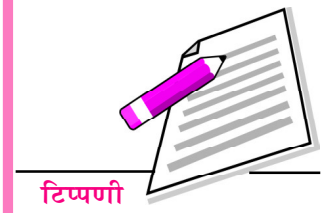

गर्वनर जनरल लार्ड कॉर्नवालिस ने 1790 में टीपू सुल्तान का नाम मित्रों की सूची से हटाकर तृतीय मैसूर युद्ध को निमंत्रण दिया। 1792 में टीपू व उसकी फौजों को श्रीरंगपतनम् (अब कर्नाटक) में रोक दिया गया तथा उसके आधे राज्यों पर अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया। टीपू ने अंग्रेजों से लड़ने के लिए फ्रांस से मदद मांगी। जनरल मार्निगटन के नेतृत्व में मैसूर का चौथा युद्ध हुआ जिसमें टीपू मारा गया और उसकी सेना हार गई।

10.1.4 मराठों के युद्ध

ब्रिटिश कंपनी और मराठाओं के बीच तीन एंग्ल-मराठा युद्ध- 1775-1782, 1803-1805, 1816-1819 में हुए। प्रथम एंग्ल मराठा युद्ध सूरत की संधि से प्रारंभ हुआ और सालाबाई की संधि से खत्म हुआ। 1799-1800 में मैसूर के पतन के बाद मराठा ही एकमात्र बड़ी शक्ति थे जो ब्रिटिश भारत के अधीन नहीं थे। द्वितीय एंग्ल मराठा युद्ध में अंग्रेजों ने मराठों को हरा दिया।

? क्या आप जानते हैं?

शिवाजी ने अनियमित सेना के स्थान पर एक पेशेवर सेना की स्थापना की थी। सेना को कमान की एक श्रृंखला के अंतर्गत रखा गया था तथा उन्हें नकद वेतन दिया जाता था। शिवाजी ने एक शक्तिशाली नौसेना की आवश्यकता के बारे में सोचा तथा नौ सेना का निर्माण किया और इसको कोलाबा में स्थापित किया। इसी प्रकार किलों की भी उचित देखभाल की गई क्योंकि यह रक्षा तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। अधिकारियों की नियुक्ति विशेषत: सभी किलों में की गई ताकि वे इनका विशेष ध्यान रख सकें। इसी प्रकार 25 घुड़सवारों की छोटी-छोटी इकाइयों को एक हवलदार के अधीन रखा गया। इनको दो वर्गों में बांटा गया था। बर्गीस तथा सिलेदार। बर्गीस को राज्य की ओर से घोड़े तथा हथियार दिए जाते थे जबकि सिलेदार को इन्हें अपने दम पर हासिल करना होता था। पैदल सेना में छोटी-छोटी इकाइयों में 9 सिपाही सम्मिलित होते थे। जिनका नेतृत्व नायक करते थे।

तीसरा मराठा युद्ध अंतिम तथा निर्णायक था जो मराठाओं और ब्रिटिश इंडिया कंपनी के मध्य हुआ। इस युद्ध के परिणामस्वरूप कंपनी ने भारत के अधिकतर भाग पर अधिपत्य स्थापित कर लिया। युद्ध के अंत में सभी मराठा शक्तियों ने अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बाम्बे प्रेसीडेंसी में मराठी भाषा को मान्यता प्रदान की गई और 1820 से इसका प्रयोग शुरू हो गया।

पाठगत प्रश्न 10.2

1. वह कौन-सा कमांडर इन चीफ था जो बाद में मैसूर का शासक बना?
2. हैदरअली का बेटा कौन था?

आपने क्या सीखा

इस पाठ को पढ़ने के उपरांत आपने निम्न बातें सीखीं

- औपनिवेशिक शक्तियां आपस में लड़ रही थीं।
- इन लड़ाईयों का प्रमुख कारण – व्यापार, वाणिज्य व ईर्ष्या था।
- अंग्रेजों ने अपने क्षेत्राधिकर का विस्तार किया।
- अंग्रेजों के द्वारा स्थानीय शक्तियों पर विजय पाने के लिए विभिन्न प्रकार की सैन्य तरीके प्रयोग किए गए।

पाठांत प्रश्न

1. 7 वर्षीय युद्ध कब और किनके मध्य हुआ था?
2. तृतीय मैसूर युद्ध के कारण लिखिए।
3. किस मराठा युद्ध के उपरांत ब्रिटिश का पूर्ण भारत पर शासन हो गया?

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

10.1

1. चार
2. 1757

10.2

1. हैदरअली
2. टीपू सुल्तान